Date ___ / ___ / ______

★ कला शिक्षा की अवधारणा (Concept of Art Education)

– प्लेटो के अनुसार, कला को शिक्षा का आधार होना चाहिए किन्तु उस समय इस बात की स्पष्ट जानकारी नहीं थी कि कला किसे कहा गया तथा कला शिक्षा के उद्देश्यों के बारे में भी अधिकांशत: तात्कालिक अनिश्चितता विद्यमान थी। आज कला की शिक्षा में उन ज्ञानेन्द्रियों की शिक्षा आती है। जिनपर हमारी चेतना और अन्तत: हमारी बुद्धिमता तथा व्यक्तिगत, मानवीय निर्णय आधारित हों। कला शिक्षा के अन्तर्गत प्रत्यक्षीकरण और संवेदना की प्राकृतिक गहराई को सुरक्षित रखना, विभिन्न संवेदनाओं को पर्यावरण के संदर्भ में एक-दूसरे से संबंधित करना, अनुभूति को परस्पर आदान-प्रदान हेतु अभिव्यक्त करना सम्मिलित है।

आज व्यक्ति की व्यक्तिगत मानसिक अनुभवों को अन्य व्यक्तियों तक पहुँचाने के लिए कला-शिक्षा की आवश्यकता अनुभव की गई, क्योंकि अभिव्यक्ति के अभाव में वे मानसिक अनुभवों आंशिक अथवा पूर्णरूप से अचेतन में रहकर निष्फल हो ~~जाएँगे~~ जाएंगे। अत: अनुभवों को आवश्यकतानुसार इच्छित शैली में अभिव्यक्ति करना कला-शिक्षा के क्षेत्र में आता है।

मनोवैज्ञानिकों ने बालकों के में कई मूल प्रवृत्तियों का होना सुनिश्चित किया है। उनमें से सहानुभूतिजनक, कलात्मक और वैज्ञानिक मूलवृत्तियां कलात्मक क्रियाओं से संबंधित हैं।